कल्प कल्प के इस खेल का बड़ा है सुंदर राज
सुख है तभी जीवन में जब तक है स्व पर राज
जब से हम बच्चों ने अपना स्व पर राज गंवाया
तब से ही दुःख दर्द लेकर रावण जीवन में
आया
दुःख से मुक्ति पाने की बाबा ने सरल विधि
बताई
पावन बनो लाडलों घर चलने की घड़ी अब
आई
करते जाओ पुरुषार्थ कर्मातीत अवस्था पाने
का
प्रबन्ध कर लो खुद को सम्पूर्ण पावन बनाने का
अंत समय में हमारे सामने बड़ी परीक्षाएं
आएगी
अभी की पढ़ाई ही हमें परीक्षा में सफल
बनाएगी
तो आओ करें हम कर्मातीत अवस्था की
तैयारी
बाबा को याद करें हम बनकर स्वदर्शन
चक्रधारी

ॐ शांति